



AF-2068

B.A. (Part - II)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Sanskrit Literature

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 75

नोट : सुवाच्य अक्षरों में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 15

(i) प्रदक्षिणीकृत्य पयस्विनीं तां सुदक्षिणा
साक्षतपत्रहस्ता ।

प्रणभ्य चानर्च विशालमस्याः शृङ्गान्तरं
द्वारमिवार्थ सिद्धे ॥

(ii) अलं महीपाल! तव श्रमेण प्रयुक्तमप्य-
स्त्रमितो वृथास्यात् ।
न पादपोन्मूल शक्ति रहः शिलोच्चये
मूर्च्छति मारुतस्य ॥

(2)

(iii) भवानपीदं पखानवैति महान् हियत्नस्तव
देवदारौ ।
स्थातुं नियोक्तुर्न हि शक्यमग्रे विनाश्य
रक्ष्यं स्वयमक्षतेन ॥

(iv) तं विस्मितं धेनुरुवाच साधो मायां
मयोद्भाव्य परीक्षितोऽसि ।
ऋषिप्रभावान्मयिनान्तकोऽपि प्रभुः
प्रहर्तुं किमुतान्यहिंस्त्राः ॥

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का
हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

(i) ब्रताय तेनानुचरेण धेनोर्न्यषेधि
शेषोऽप्यनुयायिवर्गः ।
न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि
मनोः प्रसूतिः ॥
(ii) एकातवत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः
कान्तमिदं वपुश्च ।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छिन् विचारमूढः
प्रतिभासि मेत्वम् ॥

इकाई-II

2. राजा दिलीप एवं सिंह के संवाद का वर्णन
कीजिए। 10

अथवा

‘रघुवंश’ महाकाव्य के द्वितीय सर्ग के आधार
पर प्रकृति-चित्रण कीजिए।

(3)

इकाई-III

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20
- (क) येषां न विद्या न तपो न दानं न ज्ञान न शीलं न
गुणो न धर्मः ।
ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण
मृगाश्चरन्ति ॥
- (ख) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिन कपोल भित्तिषु
राजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः ॥
- (ग) रे रे चातक! सावधान मनसा मित्र! क्षणं श्रुयता-
मम्भोदा बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः ।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति कोचिद्
वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रुहि दीनं
वचः ॥
- (घ) मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा
स्त्रिभुवनमुपकारश्रेणिभिः प्रीणयन्तः ।
परगुणपरमाणून् पर्वतीकृत्य नित्यं
निजहृदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः ॥

(4)

इकाई-IV

4. महाकाव्य का लक्षण लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (क) शिशुपालवधम्
- (ख) राजतरंगिणी
- (ग) रघुवंश
- (घ) सौन्दरनन्द

इकाई-V

5. कथा साहित्य का उद्भव एवं विकास लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (क) शतकत्रय
- (ख) अमरकशतक
- (ग) ऋतुसंहार
- (घ) पञ्चतन्त्र
- (ङ) वेताल पञ्चविंशति